

# प्रौद्योगिकी एकीकरण का स्नातक छात्र सहभागिता पर प्रभाव

इफ़्तिखार हसन<sup>1</sup> and डॉ. भूपेंद्र सिंह चौहान<sup>2</sup>

<sup>1</sup>शोधार्थी, शिक्षा शास्त्र विभाग

<sup>2</sup>शोध निर्देशक, शिक्षा शास्त्र विभाग

विक्रान्त विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

## सारांश

आज के युग में प्रौद्योगिकी शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विशेष रूप से स्नातक स्तर पर छात्रों की सीखने की प्रक्रिया और उनकी सहभागिता पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव महत्वपूर्ण हो गया है। इस शोध पत्र का उद्देश्य यह अध्ययन करना है कि किस प्रकार तकनीकी उपकरणों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्रों की कक्षा सहभागिता, अध्ययन में रुचि और सीखने की क्षमता प्रभावित होती है। अध्ययन में पाया गया कि प्रौद्योगिकी का समावेश छात्रों की सक्रिय भागीदारी और सीखने के अनुभव को बढ़ाता है।

**मुख्य संकेतक:** - प्रौद्योगिकी एकीकरण, छात्र सहभागिता, स्नातक छात्र, डिजिटल शिक्षा।

## परिचय

आज के युग में प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव किए हैं। जहाँ पहले कक्षा में शिक्षण का मुख्य माध्यम शिक्षक द्वारा प्रत्यक्ष व्याख्यान था, वहीं अब डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से शिक्षा अधिक प्रभावशाली और बहुआयामी हो गई है। प्रौद्योगिकी का समावेश शिक्षा प्रक्रिया में छात्रों की सहभागिता, सीखने की क्षमता, रचनात्मकता और सहयोगी कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेष रूप से स्नातक स्तर पर, जहाँ छात्र व्यावहारिक अनुभव और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से ज्ञान अर्जित करते हैं, प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण विधियाँ उनकी सीखने की प्रक्रिया को और अधिक सजीव और इंटरैक्टिव बनाती हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल शिक्षा को आसान बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों की मानसिक सक्रियता, समस्याओं के समाधान की क्षमता और आत्मनिर्भरता को भी प्रभावित करता है (शर्मा & वर्मा, 2019)। उदाहरण के लिए, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्म, ई-लर्निंग मॉड्यूल, इंटरैक्टिव क्विज़, और डिजिटल ग्रुप प्रोजेक्ट्स छात्रों को पारंपरिक शिक्षण के मुकाबले अधिक सक्रिय और सहभागी बनाते हैं। इससे न केवल उनकी कक्षा सहभागिता बढ़ती है, बल्कि छात्रों का सीखने के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक होता है।

स्नातक छात्र अक्सर अपनी पढ़ाई और परियोजनाओं में समय प्रबंधन, टीम वर्क और संचार कौशल जैसी क्षमताओं को विकसित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं। प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण के माध्यम से, छात्र विभिन्न डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके समूह परियोजनाओं, ऑनलाइन चर्चाओं और सहकर्मों मूल्यांकन जैसी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इससे उनकी सहयोगात्मक क्षमता और आलोचनात्मक सोच में सुधार होता है (सिंह, 2020)। इसके अतिरिक्त, डिजिटल तकनीक छात्रों को अलग-अलग दृष्टिकोणों और विचारों के संपर्क में लाती है, जिससे उनकी समस्या समाधान क्षमता और नवाचार की क्षमता बढ़ती है।

हालांकि, प्रौद्योगिकी एकीकरण के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। कई बार छात्र डिजिटल उपकरणों का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाते, या तकनीकी अवसंरचना की कमी के कारण पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते। इसके बावजूद, शिक्षकों द्वारा उचित प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधनों के सही उपयोग से इन चुनौतियों को कम किया जा सकता है (राघव, 2021)।

वर्तमान समय में, उच्च शिक्षा संस्थान प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण को अपनाने में अग्रसर हैं। ऐसे संस्थान जहाँ डिजिटल प्लेटफार्म, स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन संसाधनों का समावेश किया गया है, वहाँ छात्रों की कक्षा सहभागिता और सीखने की गुणवत्ता में स्पष्ट वृद्धि देखी गई है। उदाहरण के लिए, छात्रों को असाइनमेंट ऑनलाइन सबमिट करने, ई-लर्निंग मॉड्यूल पूरा करने और इंटरैक्टिव क्विज़ के माध्यम से अपनी समझ का मूल्यांकन करने के अवसर मिलने से उनकी सीखने की प्रेरणा बढ़ती है।

इस प्रकार, यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि प्रौद्योगिकी एकीकरण स्नातक छात्र सहभागिता पर किस प्रकार प्रभाव डालता है। अध्ययन के माध्यम से यह पता चलता है कि तकनीकी उपकरणों का संतुलित और प्रभावी उपयोग छात्रों की सीखने की प्रक्रिया, कक्षा सहभागिता और सहयोगात्मक कौशल को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण केवल उपकरणों और प्लेटफार्मों का उपयोग नहीं है, बल्कि यह छात्रों की सीखने की प्रक्रिया, सक्रियता और रचनात्मकता को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उच्च शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण विधियों को अपनाएँ, जिससे छात्रों की कक्षा सहभागिता, सीखने की प्रेरणा और सहयोगात्मक क्षमता में वृद्धि हो।

### शोध का उद्देश्य

1. यह अध्ययन करना कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से छात्रों की कक्षा सहभागिता पर क्या प्रभाव पड़ता है।
2. डिजिटल उपकरणों के उपयोग से छात्रों की सीखने की प्रेरणा और रुचि का विश्लेषण करना।
3. यह समझना कि तकनीकी एकीकरण से छात्र समूह कार्य और संचार कौशल में कैसे सुधार करते हैं।

### साहित्य समीक्षा

विभिन्न शोधकर्ताओं ने तकनीकी एकीकरण और छात्र सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध पाया है।

1. शर्मा और वर्मा (2019) के अनुसार, डिजिटल शिक्षण उपकरण छात्रों को अधिक सक्रिय बनाते हैं और शिक्षण में रुचि बढ़ाते हैं।
2. सिंह (2020) ने अध्ययन किया कि ऑनलाइन क्विज़ और इंटरैक्टिव प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग छात्र सहभागिता को 30% तक बढ़ा सकता है।
3. राघव (2021) के शोध में पाया गया कि प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण छात्रों के टीम वर्क और संचार कौशल को सुदृढ़ करता है।

इस प्रकार, साहित्य समीक्षा से यह निष्कर्ष निकलता है कि तकनीकी उपकरणों का समावेश छात्रों के सीखने और सहभागिता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

### शोध पद्धति

यह अध्ययन मिश्रित विधि पर आधारित है जिसमें प्रश्नावली सर्वेक्षण और साक्षात्कार दोनों शामिल हैं।

1. **नमूना:** 100 स्नातक छात्र, विभिन्न पाठ्यक्रमों से।
2. **डेटा संग्रह विधि:** ऑनलाइन प्रश्नावली, व्यक्तिगत साक्षात्कार।
3. **डेटा विश्लेषण:** सांख्यिकीय विश्लेषण और गुणात्मक डेटा विश्लेषण।

## परिणाम और चर्चा

प्रौद्योगिकी एकीकरण के स्नातक छात्रों की सहभागिता पर प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए किए गए अध्ययन के परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि डिजिटल उपकरणों और तकनीकी संसाधनों के प्रभाव ने छात्र सहभागिता के कई पहलुओं में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। अध्ययन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, प्रौद्योगिकी-संवर्धित शिक्षण पद्धतियों ने छात्रों की कक्षा में सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने में सहायक भूमिका निभाई है। उदाहरण के तौर पर, ऑनलाइन क्विज़, इंटरैक्टिव सॉफ्टवेयर, और वर्चुअल डिस्कशन प्लेटफॉर्म के उपयोग से छात्रों की तात्कालिक प्रतिक्रिया की क्षमता और उनके सीखने में संलग्नता में सुधार देखा गया। परिणामों से यह भी पता चला कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध बहुविकल्पीय प्रश्न, पोल और रीयल-टाइम फीडबैक ने छात्रों की मानसिक सक्रियता और विषय के प्रति उनकी जिज्ञासा को बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी उपकरणों के माध्यम से छात्रों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और विचार साझा करने के अधिक अवसर प्राप्त हुए, जिससे उनकी व्यक्तिगत और सहयोगात्मक सीखने की प्रक्रिया में वृद्धि हुई।

सर्वेक्षण और अवलोकन दोनों के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि प्रौद्योगिकी के समावेश ने पारंपरिक कक्षा संरचना के बाधाओं को कम किया। जिन छात्रों में सामान्यतः कम सहभागिता देखी जाती थी, उन्होंने ऑनलाइन चर्चा फोरम और डिजिटल ग्रुप प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अधिक आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ऐसे छात्रों में स्पष्ट थी जो सामान्य कक्षा सेटिंग में अल्पसंख्यक या अंतर्मुखी होते हैं। तकनीकी साधनों के उपयोग ने उन्हें अपनी गति और समय के अनुसार योगदान करने की स्वतंत्रता दी, जिससे सहभागिता की गुणवत्ता में सुधार हुआ। इसके अलावा, वीडियो लेक्चर, ई-लर्निंग मॉड्यूल और मल्टीमीडिया संसाधनों ने छात्रों की अवधारणात्मक समझ और विषय वस्तु में गहरी रुचि उत्पन्न की, जिससे उनके पाठ्यक्रम के प्रति जुड़ाव और प्रेरणा दोनों बढ़े।

हालांकि, तकनीकी एकीकरण के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए। अध्ययन में पाया गया कि अत्यधिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कभी-कभी छात्रों को विचलित कर सकता है, जिससे उनका ध्यान असंबंधित गतिविधियों की ओर मुड़ सकता है। उदाहरण के लिए, लैपटॉप और मोबाइल उपकरणों का उपयोग नोट्स लेने या पाठ्य सामग्री की खोज के बजाय सोशल मीडिया और अन्य गैर-शैक्षणिक अनुप्रयोगों के लिए भी किया गया। इसके बावजूद, उचित मार्गदर्शन और संरचित डिजिटल गतिविधियों ने इस चुनौती को काफी हद तक कम किया। परिणाम यह संकेत देते हैं कि शिक्षक और संस्थान यदि प्रौद्योगिकी का उपयोग

रणनीतिक रूप से करें, तो छात्र सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ संभावित विचलन को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि प्रौद्योगिकी एकीकरण ने छात्रों के आपसी सहयोग और समूह गतिविधियों में भागीदारी को बढ़ावा दिया। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किए गए समूह प्रोजेक्ट्स ने छात्रों को विभिन्न पृष्ठभूमियों और विचारों वाले साथियों के साथ संवाद करने का अवसर दिया, जिससे टीम वर्क और समस्या-समाधान क्षमताओं का विकास हुआ। इसके अलावा, ऑनलाइन संसाधनों और ई-लर्निंग टूल्स ने छात्रों को स्व-अध्ययन और आत्म-सक्षमता सीखने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनकी स्वतंत्र सीखने की क्षमता में वृद्धि हुई। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी ने केवल सहभागिता को बढ़ाने में ही नहीं बल्कि छात्रों की समग्र शैक्षणिक दक्षता और आत्मनिर्भरता को भी सुदृढ़ किया।

डाटा विश्लेषण से यह भी पता चला कि तकनीकी एकीकरण ने छात्रों के समय प्रबंधन और सीखने की रणनीतियों में सकारात्मक प्रभाव डाला। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिक्षण सामग्री की उपलब्धता ने छात्रों को अपनी सुविधानुसार सीखने की योजना बनाने में सक्षम किया, जिससे उनकी अध्ययन आदतों में सुधार हुआ और वे अधिक संगठित तरीके से कक्षा में भाग लेने लगे। इसके अतिरिक्त, डिजिटल उपकरणों के माध्यम से नियमित फीडबैक और प्रदर्शन मूल्यांकन ने छात्रों को अपने प्रदर्शन की वास्तविक समय में जानकारी प्रदान की, जिससे उनकी सहभागिता और सीखने की गुणवत्ता दोनों में वृद्धि हुई।

अध्ययन से स्पष्ट है कि प्रौद्योगिकी का समावेश स्नातक छात्रों की सहभागिता पर व्यापक और बहुआयामी प्रभाव डालता है। डिजिटल उपकरण और ऑनलाइन शिक्षण संसाधन न केवल छात्रों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनके सीखने के अनुभव को भी अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बनाते हैं। हालांकि, प्रभावशीलता की कुंजी तकनीकी साधनों का संतुलित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग है। शिक्षक और संस्थान यदि तकनीकी एकीकरण को उचित मार्गदर्शन, संरचना और नियमित निगरानी के साथ लागू करें, तो इससे छात्रों की सहभागिता, सहयोगात्मक क्षमता, रचनात्मकता और समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन में स्थायी सुधार संभव है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी न केवल शिक्षण पद्धतियों को आधुनिक बनाती है बल्कि छात्रों के सीखने के अनुभव को भी अधिक गतिशील और सहभागी बनाती है, जिससे उन्हें एक सक्षम और आत्मनिर्भर शिक्षार्थी के रूप में विकसित होने में मदद मिलती है।

सर्वेक्षण और साक्षात्कार के परिणाम इस प्रकार हैं:

1. **छात्र सहभागिता:** 70% छात्रों ने कहा कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से उनकी कक्षा में भागीदारी बढ़ी।
2. **सीखने में रुचि:** 65% छात्रों ने माना कि डिजिटल टूल्स उनकी सीखने की प्रेरणा को बढ़ाते हैं।
3. **टीम वर्क और संचार कौशल:** 60% छात्रों ने कहा कि समूह परियोजनाओं और ऑनलाइन चर्चाओं के माध्यम से उनके सहयोग कौशल में सुधार हुआ।

### चर्चा:

परिणाम यह दर्शाते हैं कि प्रौद्योगिकी का समावेश छात्रों की सक्रियता और सीखने की गुणवत्ता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। शिक्षक इन उपकरणों का उचित उपयोग करके शिक्षा को और अधिक प्रभावशाली बना सकते हैं।

### निष्कर्ष

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि प्रौद्योगिकी का समावेश स्नातक छात्रों की कक्षा सहभागिता, सीखने की प्रेरणा और सहयोगात्मक कौशल पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। पारंपरिक शिक्षण विधियों के मुकाबले डिजिटल उपकरण और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को अधिक सक्रिय, सृजनात्मक और सहभागी बनाते हैं। सर्वेक्षण और साक्षात्कार के परिणाम दर्शाते हैं कि छात्रों को डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, इंटरैक्टिव क्विज़ और समूह परियोजनाओं में शामिल करने से उनकी कक्षा में भागीदारी और सीखने की क्षमता में वृद्धि होती है। इस प्रक्रिया में छात्र न केवल अपनी विषयगत समझ को गहरा करते हैं, बल्कि समय प्रबंधन, टीम वर्क और संचार कौशल जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं का विकास भी करते हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण विधियाँ छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें सक्रिय अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इसके माध्यम से छात्र केवल शिक्षक द्वारा दिए गए ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे शोध, सहकर्म चर्चा और परियोजना-आधारित गतिविधियों के माध्यम से स्वतंत्र और आलोचनात्मक सोच विकसित करते हैं। इसके अतिरिक्त, डिजिटल प्लेटफॉर्म छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों और विचारों से जोड़ते हैं, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता और नवाचार की क्षमता बढ़ती है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी एकीकरण छात्रों को बहुआयामी सीखने का अवसर प्रदान करता है, जो उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और पेशेवर विकास के लिए अत्यंत लाभकारी है।



हालांकि, इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि प्रौद्योगिकी एकीकरण के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए उचित प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन और संतुलित उपयोग आवश्यक हैं। कई बार तकनीकी अवसंरचना की कमी, शिक्षक और छात्रों की अपर्याप्त डिजिटल साक्षरता या उपकरणों का अनुचित उपयोग छात्रों की सहभागिता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उच्च शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे शिक्षकों और छात्रों दोनों को डिजिटल उपकरणों और प्लेटफॉर्मों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षण प्रदान करें और तकनीकी अवसंरचना को मजबूत बनाएं।

संपूर्ण निष्कर्ष यह है कि प्रौद्योगिकी का समुचित एकीकरण न केवल छात्रों की कक्षा सहभागिता बढ़ाता है, बल्कि उनकी सीखने की प्रक्रिया को अधिक आकर्षक, प्रभावशाली और सृजनात्मक बनाता है। यह उन्हें पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से परे ले जाकर वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान, टीम वर्क, सहयोग और नवाचार की दिशा में तैयार करता है। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए यह आवश्यक है कि वे प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण विधियों को अपनाएँ और छात्रों को सीखने के सक्रिय और सहभागी अवसर प्रदान करें। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी एकीकरण स्नातक शिक्षा में एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरता है, जो छात्रों की व्यक्तिगत, शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को समर्थन प्रदान करता है।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण विधियाँ स्नातक छात्र सहभागिता को बढ़ाने, सीखने की गुणवत्ता सुधारने और उनकी बहुआयामी क्षमताओं का विकास करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। भविष्य में, उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा डिजिटल शिक्षा की व्यापक स्वीकार्यता और रणनीतिक एकीकरण छात्रों के शिक्षण और सीखने के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली, सक्रिय और सृजनात्मक बना सकता है।

### संदर्भ सूची

1. कपूर, एस., & चौहान, पी. (2020). डिजिटल प्लेटफॉर्म का शिक्षण प्रभाव. शिक्षा और प्रौद्योगिकी समीक्षा, 6(4), 22-38.
2. कुमारी, डी. (2020). डिजिटल शिक्षा और छात्र सहभागिता के आयाम. आधुनिक शिक्षा पत्रिका, 5(2), 34-46.
3. चौधरी, वी., & अग्रवाल, एस. (2020). ई-लर्निंग के माध्यम से कक्षा सहभागिता. शिक्षा प्रबंधन और तकनीकी अध्ययन, 5(1), 18-31.

4. जोशी, आर., & गुप्ता, वी. (2019). ई-लर्निंग उपकरण और कक्षा अनुभव. भारतीय प्रौद्योगिकी और शिक्षा जर्नल, 7(3), 50-62.
5. त्रिपाठी, एम., & सिंह, डी. (2019). ऑनलाइन शिक्षण और छात्र सीखने की प्रेरणा. शिक्षण शोध पत्रिका, 8(3), 12-26.
6. नायर, ए. (2018). डिजिटल प्लेटफॉर्म और छात्र सहभागिता: स्नातक स्तर पर अध्ययन. शिक्षा और प्रौद्योगिकी जर्नल, 7(2), 14-28.
7. पांडेय, आर. (2019). डिजिटल शिक्षण उपकरण और छात्र की संलग्नता. आधुनिक शिक्षा और समाज जर्नल, 6(2), 25-39.
8. भटनागर, एस., & मिश्रा, के. (2020). तकनीकी एकीकरण और शिक्षण प्रभाव: एक विश्लेषण. भारतीय उच्च शिक्षा समीक्षा, 10(3), 42-57.
9. मिश्रा, आर., & सिंह, के. (2018). शिक्षा में तकनीकी एकीकरण: चुनौतियाँ और अवसर. शिक्षण प्रबंधन जर्नल, 10(4), 12-27.
10. मेहता, आर. (2021). प्रौद्योगिकी आधारित समूह कार्य और सहयोग कौशल. उच्च शिक्षा जर्नल, 14(2), 33-47.
11. राघव, एस. (2021). प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण और टीम वर्क में सुधार. उच्च शिक्षा समीक्षा, 15(1), 60-72.
12. रावत, ए. (2018). तकनीकी उपकरणों के माध्यम से छात्र सहभागिता. भारतीय शिक्षा और विकास जर्नल, 11(2), 40-55.
13. वर्मा, ए. (2021). तकनीकी समावेशन और स्नातक छात्रों की सक्रियता. उच्च शिक्षा शोध पत्रिका, 9(1), 15-29.
14. शर्मा, ए., & वर्मा, आर. (2019). डिजिटल शिक्षण और छात्र सहभागिता पर प्रभाव. भारतीय शिक्षा जर्नल, 12(3), 45-58.
15. सिंह, पी. (2020). ऑनलाइन शिक्षण उपकरण और कक्षा सहभागिता: एक अध्ययन. शिक्षा अनुसंधान पत्रिका, 8(2), 23-35.